Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-401

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination August – 2021

M.A. Darshan, Semester : Fourth
Darshan ; Paper : First

सांख्य–योग–4

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. धर्ममेघ समाधि का स्वरूप और प्रयोजन विषयक विवरण विस्तार से उल्लेख करें।
2. अतीतानतं स्वरूपतोऽस्त्यध्वभेदात् धर्माणाम् – इस सूत्र की व्यासभाष्यानुसार सविस्तृत व्याख्या करें।
3. 'हेतुफलाश्रयालम्बनैः सगृहीतत्वादेषामभावे तदभाव' – इस सूत्रानुसारं व्यासभाष्य के संदर्भो का प्रामाणिक विवेचन प्रस्तुत करें।
4. वेद की अपौरूषेरूता क्यों मान्य और पौरूषेयता मान्य क्यों नहीं सांख्यदर्शनानुसार प्रतिपादित करें।
5. सांख्यदर्शनानुसार वाच्यवाचक के निमित्त तथा शब्दार्थ सम्बन्धों को स्पष्ट करें।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. सांख्यसिद्धान्तानुसार मन को व्यापक माना जाता है या एक देशी सप्रमाण उल्लेख करें।
2. कर्म के भेद के अनुसार शरीरभेद नामोल्लेखपूर्वक व्याख्या करें।
3. प्रकृतिपुरूष के भेद ज्ञान से मोक्ष स्वीकार करने पर भी लौकिक–वैदिक–आचरण की आवश्यकता क्या है?
4. सुख दुःख की अनुभूति के प्रकार सांख्यानुसार विवेचन करें।
5. "कैवल्य का स्वरूप' का चित्रण भाष्यानुसार प्रतिपादन करें।
6. कैवल्यपाद के अनुसार सिद्धि कितनी है? नामोल्लेखपूर्वक प्रकाश डाले।
7. कायेन्दियों की प्रकृति का अपूरण की व्याख्या व्यासभाष्यानुसार उल्लेख करें।

----------x----------